



तुमने क्या देखा?

लेखिका नन्दिनी नायर

“तो,” अम्मा ने पूछा, “चिड़ियाघर में तुमने क्या देखा?”

“कुछ नहीं!” मीरा बोली।

“क्या?” अम्मा बोली। “तुमने बंदर नहीं देखे? उछलते कूदते? इस तरह?”

“नहीं!” मीरा ने कहा।

“तो शेर को दहाड़ते सुना होगा? इस तरह?”

“नहीं, नहीं!” मीरा बोली।

“अरे! फिर तुमने हाथी तो देखा होगा? अपनी सूँड हिलाता हुआ हाथी?

इधर, उधर...इस तरह?”

“नहीं तो!” मीरा ने जवाब दिया।



Story and Artwork:



“लंबा सा जिराफ़ देखा? अपनी गर्दन यूँ बढ़ाकर पेड़ से पत्ते खाते हुए?
इस तरह?”

“लंबा सा? नहीं।”

“मोर? नाचता, इतराता? इस तरह?”
“नहीं।”

“जम्हाई लेते हुए मगर? इस तरह?”
“नहीं, अम्मा।”

“अरे, तुमने चिड़ियाघर जाकर एक भी जानवर नहीं देखा?” अम्मा ने पूछा।
“अम्मा! हम आज गए ही नहीं। कल जाएँगे,” मीरा बोली।

“कल?” मीरा की अम्मा ने कहा...और ज़मीन पर धसक गई,
बिलकुल भालू की तरह।

समाप्त

Click below to follow us:



You Tube

facebook

